सांसे हो रही हैं कम, आओ पेड़ लगायें हम

शाश्वत कृषि और वानिकी तंत्र अपनाए।
बेहतर तथा समृद्ध भविष्य पाए।

अनोखी विपणन प्रणाली: कंपनी की हरितगृहों से पौधे सीधे आपके खेत पर पहुँचाए जाते है।
कोई अतिरिक्त परिवहल शुल्क नहीं लिया जाता ।

KAUSHAL KISAN
BIO PLANTTEC PVT. LTD
GROUP OF COMPANIES KAUSHAL KISAN

(AN ISO 9001 : 2015 Certified Company)

www.kaushalkisangroup.com

KAUSHAL KISAN
BIO PLANTTEC PVT. LTD
GROUP OF COMPANIES KAUSHAL KISAN

(AN ISO 9001 : 2015 Certified Company)

सांसे हो रही हैं कम,
आओ पेड़ लगायें हम

नियमित रूप से प्रयासरत व कुछ नया करने की द्रढ़ इच्छा शक्ति के साथ **कौशल किसान** संस्था लेकर आयी है।

पपीता

रेड लेडी 786

www.kaushalkisangroup.com

विशेषताए

1. पपीते की एक किस्म विकसित की गई है। जिसे रेड लेडी 786 नाम दिया गया है।
2. यह एक संकर किस्म है।
3. किस्म की खासीयत यह है की नर व मादा दोनों फूल ही पर होते है।
4. रेड लेडी 786 में हर पौधे से फल मिलने कि गांरटी होती है।
5. यह किस्म सिर्फ 10 महिने में तैयार हो जाती है।
6. इस किस्म के फलों की भंडारण क्षमता ज्यादा होती है।

लगाने की विधि

1. खेत को अच्छी तरह जोंत कर समतल बनाना चाहिए
2. पपीते के पौधे जुन व जुलाई में लगाने चाहिए
3. जहां सिंचाई का समुचित प्रबंध हो वंहा सितम्बर से अक्टूबर तथा फरवरी से मार्च तक पपीते के पौधे लगाये जा सकते है

सावधानिया

1. जमीन उपजाऊ हो जिसमें जल निकास अच्छा हो तो पपीते की खेती उत्तम होती है।
2. जिस खेत में पानी भरा हो उस खेत में पपीता कदापि नही लगाना चाहिए.
3. अधिक गहरी मिट्टी में भी पपीतें की खेती नहीं करनी चाहिए
4. पपीते की अच्छी फसल के लिए 20–25 दिनों के अन्तराल में खतपतवार निकालते रहना चाहिए

KAUSHAL KISAN
BIO PLANTTEC PVT. LTD
GROUP OF COMPANIES KAUSHAL KISAN
(AN ISO 9001 : 2015 Certified Company)

सांसे हो रही हैं कम,
आओ पेड़ लगायें हम

ताइवान रेड लेडी 786 पपीता

पपीता वाकई इस कुदरत की अनोखी देन है. पपीता कई औषधियों गुणों से भरपूर होता है, साथ ही सेहत के लिए भी बहुत लाभदायक होता है. पपीते की सबसे बड़ी खासियत ये है कि ये बहुत कम समय फल दे देता है. इसे लगाने में भी ज्यादा मुसीबत का सामना नहीं करना पड़ता. पपीते में कई महत्वपूर्ण पाचक एन्ज़ाइम तत्व मौजूद रहते है. इसलिए बाज़ार में पपीते की मांग लगातार बढ़ रही है. पपीते की फसल किसानों को कम समय में अधिक लाभ कमाने का अवसर देती है. हमारे देश में पपीता गृह वाटिका में उगाना प्रचलित है

KAUSHAL KISAN
BIO PLANTTEC PVT. LTD
GROUP OF COMPANIES KAUSHAL KISAN
(AN ISO 9001 : 2015 Certified Company)

सांसे हो रही हैं कम,
आओ पेड़ लगायें हम

उन्नत किस्में

ताइवान रेड लेडी 786 पपीता

रेड लेडी पपीता की ही एक प्रजाति है जिसकी खेती किसानों को मालामाल बना सकती है। पपीते की खेती के लिए वैज्ञानिक इसे सबसे उपयुक्त मानते हैं। पपीता आम के बाद विटामिन ए का सबसे अच्छा स्रोत है। यह कोलेस्ट्रोल, सुगर और वजन घटाने में भी मदद करता है, यही कारण है कि डॉक्टर भी इसे खाने की सलाह देते हैं।

www.kaushalkisangroup.com

KAUSHAL KISAN
BIO PLANTTEC PVT. LTD
GROUP OF COMPANIES KAUSHAL KISAN

(AN ISO 9001 : 2015 Certified Company)

सांसे हो रही हैं कम,
आओ पेड़ लगायें हम

पपीते की किस्मों में नर और मादा फूल अलग-अलग होते हैं, लेकिन इस किस्म में ऐसा नहीं है। इसमें फूलों का आना 100 फीसदी तय होता है।

पपीते की कुछ अन्य किस्में पूसा (डेलीसियस, मेजस्टी, ड्वार्फ, जाइंट), वाशिंगटन, सोलो, हनीड्यू, सिलोन, कोयम्बटूर रेड फ्रेशट, फिलिपाइंस, मधुबिंदु, बाखानी, राँची आदि प्रमुख किस्में है।

KAUSHAL KISAN
BIO PLANTTEC PVT. LTD
GROUP OF COMPANIES KAUSHAL KISAN
(AN ISO 9001 : 2015 Certified Company)

सांसे हो रही हैं कम,
आओ पेड़ लगायें हम

जलवायु और भूमि

पपीते की सबसे अच्छी फसल उष्ण कटिबन्धीय क्षेत्रो में होती है. लेकिन समशीतोष्ण क्षेत्रो में भी अच्छी पैदावार देता है. शुष्क गर्म जलवायु में इसके फल अधिक मीठे होते है परन्तु अधिक नमी इसके फलो के गुणों को ख़राब कर देती है. पपीता किसी भी प्रकार की भूमि में उगाया जा सकता है लेकिन इसकी सबसे अच्छी खेती जीवांश युक्त एवं उचित जल निकास वाली बलुई दोमट एवं दोमट मिट्टी में की जाती है.

पपीते की खेती करने के लिए उपजाऊ जमींन की ज़रुरत होती है. जमींन का समतल होना जरूरी है. ताकि पौधों में पानी की अत्याधिक रुकावट न हो. पौधों में पानी की रूकावट होने पर पपीते की खेती मे पानी भरे रहने से कॉलर रॉट नामक बीमारी लग जाती है जो पौधों को अत्याधिक नुक्सान पहुँचाती है. पपीते की खेती नमीयुक्त जलवायु में बढ़िया होती है. खेत को बढ़िया प्रकार जोत कर भूमि को एकसार कर लेना चाइए, ताकि खेत में जल का निकास ठीक तरह से हो सके.

KAUSHAL KISAN
BIO PLANTTEC PVT. LTD
GROUP OF COMPANIES KAUSHAL KISAN
(AN ISO 9001 : 2015 Certified Company)

सांसे हो रही हैं कम,
आओ पेड़ लगायें हम

पपीते का रोपण

अच्छी तरह से तैयार खेत में 2 x2 मीटर की दूरी पर 50x50x50 सेंटीमीटर आकार के गड्ढे खोद देने चाहिएं,

पौधे लगाने के बाद गड्ढे को मिट्टी और गोबर की खाद 50 ग्राम एल्ड्रिन मिलाकर इस प्रकार भरना चाहिए कि वह जमीन से 10-15 सेंटीमीटर ऊँचा रहे। गड्ढे की भराई के बाद सिंचाई कर देनी चाहिए, जिससे मिट्टी अच्छी तरह बैठ जाए।

KAUSHAL KISAN
BIO PLANTTEC PVT. LTD
GROUP OF COMPANIES KAUSHAL KISAN

(AN ISO 9001 : 2015 Certified Company)

सांसे हो रही हैं कम,
आओ पेड़ लगायें हम

खाद व उर्वरक

पोषण प्रबंधन

पपीता एक शीघ्र बढने एवं फल देने वाला पौधा है जिसके करण आधिक तत्व क़ी आवश्यकता पड़ती है अच्छी उपज प्राप्त करने के लिए 250 ग्राम नत्रजन 150 ग्राम फास्फोरस तथा 250 ग्राम पोटाश प्रति पौधा के हिसाब से देना चाहिए यह मात्रा पौधे के चारों ओर 2 से 4 बार में थोड़े-थोड़े समय के अन्तराल पर देनी चाहिए.

KAUSHAL KISAN
BIO PLANTTEC PVT. LTD
GROUP OF COMPANIES KAUSHAL KISAN
(AN ISO 9001 : 2015 Certified Company)

सांसे हो रही हैं कम,
आओ पेड़ लगायें हम

मिट्टी चढ़ाना

पपीते पर मिट्टी चढ़ाना अतिआवश्यक है. प्रत्येक गढ्ढे में एक पौधा को रखने के बाद पौधे क़ी जड़ के आस पास 30 सेमी. क़ी गोलाई में मिट्टी को ऊँचा चढ़ा देते है ताकि पेड़ के पास सिचाई का पानी आधिक न लग सके तथा पौधे को सीधा खड़ा रखते है.

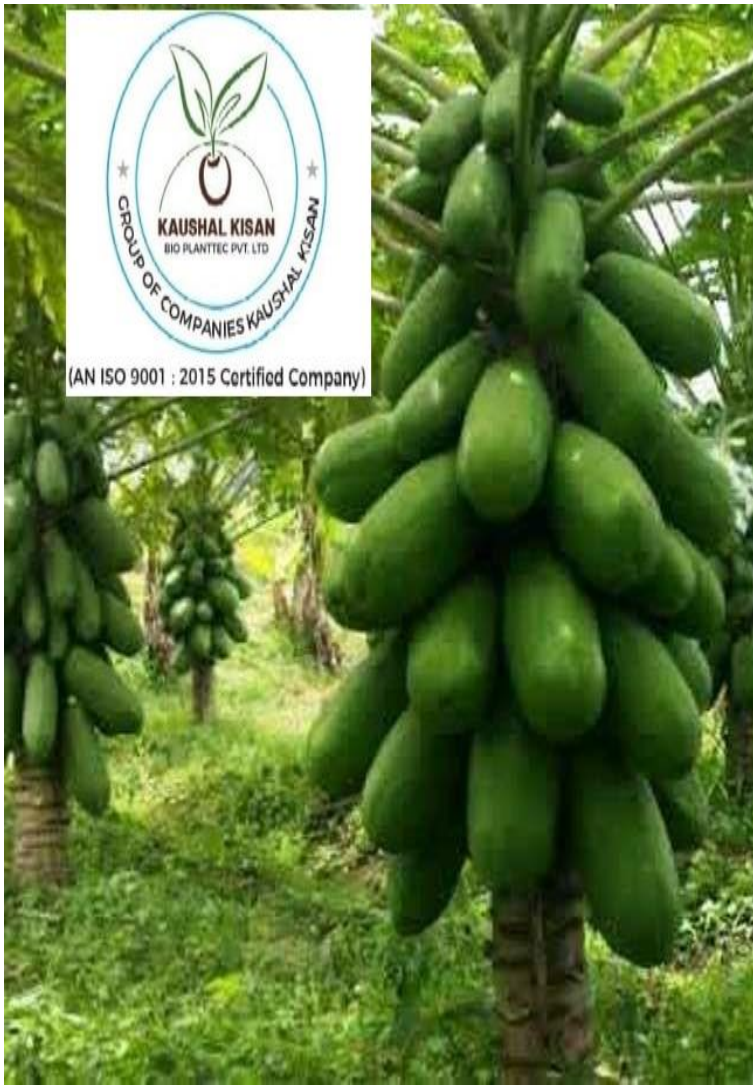

जल प्रबंधन

पपीता के लिए सिचाई का उचित प्रवंन्ध होना आवश्यक है गर्मियों में 6 से 7 दिन के अन्तराल पर तथा सर्दियों में 10-12 दिन के अन्तराल पर सिचाई करनी चाहिए वर्षा ऋतू में पानी न बरसने पर आवश्यकता अनुसार सिचाई करनी चाहिए सिचाई का पानी पौधे के सीधे संपर्क में नहीं आना चाहिए.
गर्मी के में 10 दिन व सर्दी के मौसम में 15 दिन के अंतराल पर सिंचाई करनी चाहिए.पपीते की पौध को पाले से बचा कर रखना चाहिए. अगर पाला पड़ने की आशंका हो तो तो शाम के समय धुँआ करने के साथ हल्की सिंचाई भी कर देनी चाहिए.

KAUSHAL KISAN
BIO PLANTTEC PVT. LTD
GROUP OF COMPANIES KAUSHAL KISAN
(AN ISO 9001 : 2015 Certified Company)

सांसे हो रही हैं कम,
आओ पेड़ लगायें हम

खरपतवार प्रबंधन

लगातार सिचाई करते रहने से खेत के गढ़ढ़ो क़ी मिट्टी बहुत कड़ी हो जाती है. जिससे पौधे क़ी वृद्धि पर कुप्रभाव पड़ता है अत: हर 2-3 सिचाई के बाद थालो क़ी हल्की निराई गुड़ाई करनी चाहिए, जिससे भूमि में हवा एवं पानी का अच्छा संचार बना रहे.

रोग प्रबंधन

पपीते के पौधों में मुजैक,लीफ कर्ल ,डिस्टोसर्न, रिंगस्पॉट, जड़ एवं तना सडन ,एन्थ्रेक्नोज एवं कली तथा पुष्प वृंत का सड़ना आदि रोग लगते है. इनके नियंत्रण में वोर्डोमिक्सचर 5:5:20 के अनुपात का पेड़ो पर सडन गलन को खरोचकर लेप करना चाहिए अन्य रोग के लिए व्लाईटाक्स 3 ग्राम या डाईथेन एम्-45, 2 ग्राम प्रति लीटर अथवा मैन्कोजेब या जिनेव 0.2% से 0.25 % का पानी में घोल बनाकर छिड़काव करना चाहिए अथवा कॉपर आक्सीक्लोराइट 3 ग्राम या व्रासीकाल 2 ग्राम प्रति लीटर पानी में मिलाकर छिडकाव करना चाहिए.

KAUSHAL KISAN
BIO PLANTTEC PVT. LTD
GROUP OF COMPANIES KAUSHAL KISAN

(AN ISO 9001 : 2015 Certified Company)

सांसे हो रही हैं कम,
आओ पेड़ लगायें हम

कीट प्रबंधन

पपीते के पौधों को कीटो से कम नुकसान पहुचता है फिर भी कुछ कीड़े लगते है जैसे माहू, रेड स्पाईडर माईट, निमेटोड आदि है. नियंत्रण के लिए डाईमेथोएट 30 ई. सी.1.5 मिली लीटर या फास्फोमिडान 0.5 मिली लीटर प्रति लीटर पानी में मिलाकर छिड़काव करने से माहू आदि का नियंत्रण होता है.

KAUSHAL KISAN
BIO PLANTTEC PVT. LTD
GROUP OF COMPANIES KAUSHAL KISAN
(AN ISO 9001 : 2015 Certified Company)

सांसे हो रही हैं कम,
आओ पेड़ लगायें हम

फसल कटाई

पौधे लगाने के ठीक 7 से 9 महीने के वक़्त के बाद फल तोड़ने लायक हो जाते है. कुछ ही दिनों में फलों का रंग हरे रंग से बदलकर पीला रंग का होने लगता है तथा फलों पर नाखुन लगने से दूध की जगह पानी तथा तरल निकलता हो तो समझना चाहिए कि फल पक गया होगा. इसके बाद फलों को तोड़ लेना चाहिए. फलों के पकने पर चिडियों से बचाना अति आवश्यक है अत: फल पकने से पहले ही तोड़ना चाहिए. फलो को तोड़ते समय किसी प्रकार कि खरोच या दाग-धब्बे आदि न पड़ने पाए नहीं तो फल सड़कर ख़राब हो जाते है.

पैकिंग

फलो को सुरक्षित तोड़ने के बाद फलो पर कागज या अख़बार आदि से लपेट कर अलग अलग प्रति फल को किसी लकड़ी या गत्ते के बाक्स में मुलायम कागज क़ी कतरन आदि को बिछाकर फल रखने चाहिए और बाक्स को बन्द करके बाजार तक भेजना चाहिए ताकि फल ख़राब न हो और अच्छे भाव बाजार में मिल सके.

KAUSHAL KISAN
BIO PLANTTEC PVT. LTD
GROUP OF COMPANIES KAUSHAL KISAN

(AN ISO 9001 : 2015 Certified Company)

सांसे हो रही हैं कम,
आओ पेड़ लगायें हम

पपीते की उपज

पपीते की उन्नत किस्मों से प्रति पौध 35-50 किलोग्राम उपज मिल जाती है, जबकि इस नई किस्म से 2-3 गुणा ज्यादा उपज मिल जाती है।एक पौधे से औसतन 40 किलो फल तथा एक एकड़ में 200 से 300 "क्वटल फल मिल जाता है।

पैदावार

पैदावार मिट्टी किस्म, जलवायु और उचित देखभाल पर निर्भर करती है

www.kaushalkisangroup.com

KAUSHAL KISAN
BIO PLANTTEC PVT. LTD
GROUP OF COMPANIES KAUSHAL KISAN
(AN ISO 9001 : 2015 Certified Company)

सांसे हो रही हैं कम,
आओ पेड़ लगायें हम

कौशल किसान ग्रुप ऑफ़ कम्पनी द्वारा किसानों को मुफ्त में दी जाने वाली सेवाएं :-

➢पौधों को किसानो के घर या खेत तक पहुंचाने के लिए मुफ्त वाहन सुविधा उपलब्ध करवाई जाती है।

➢क्षतिग्रस्त पौधों की प्रतिस्थापना। यह सुबिधा सिर्फ एक बार के प्रतिस्थापन के लिए होती है ।

➢ २ साल तक कंपनी के कर्मचारियों द्वारा समय समय पर देखभाल की सुविधा दी जाती है।

➢किसी भी सुझाव या शिकायत के लिए हमारे प्रतिनिधियों से मुफ्त तकनिकी सेवा फ़ोन द्वारा या ब्यक्तिगत रूप में ले सकते हैं

➢किसी भी सुझाव या शिकायत के लिए कम्पनी का टोल फ्री नंबर उपलब्ध है -18001236246

www.kaushalkisangroup.com

KAUSHAL KISAN
BIO PLANTTEC PVT. LTD
GROUP OF COMPANIES KAUSHAL KISAN

(AN ISO 9001 : 2015 Certified Company)

(AN ISO 9001 : 2015 Certified Company)

Corp. Office : H.No. 265, Opp.Tejaji Ka Mandir,
Khedli Phatak, Kota Raj. - 324001 | Ph.: 0744 2323168

Branch Office : Plot.No. 194, R K Business Centre, Near, Shivaji Nagar, Nagpur, Maharashtra - 440010

Branch Office : Malaviya Chowk, Wing - B, 7th Floor, Ofiice No. 5, Gondal Road, Rajkot (GUG)

Branch Office : Near Agarwal Dharamshala, Sec. 11, Hiran Mangri, Udaipur Rajasthan - 313001

Toll Free No. 18001236246 | **Website :** www.kaushalkisan.com | www.navjeevanbio.com